



ARMY PUBLIC SCHOOL NARANGI

CBSE Affiliation No: 0230003(Old)
280002(New)

STUDENT'S DIARY

2023-24





ऐ मालिक तेरे बंदे हम
ऐसे ही हमारे करम
नेकी पर चलें
और बंदी से टलें
ताकि हरसते हुये ठिक्कते दम

जब जुल्मों का हो सामना
तब तू ही हमें धामना
वो बुराई करे
हम भलाई भरे
नहीं बदले की हो कामना
बढ़ उठे प्यार का हर कदम
और मिटे बैर का ये भरम
नेकी पर चलें ...

ये अंधेरा घना छा रहा
तेरा इनसान घबरा रहा
हो रहा बेखबर
कुछ न आता नज़र
सुख का सूरज छिपा जा रहा
है तेरी रोशनी में वो दम
जो अमावस को कर दे पूनम
नेकी पर चलें ...

बड़ा कमज़ोर है आदमी
अभी लाखों हैं इसमें कर्मी
पर तू जो खड़ा
है दयालु बड़ा
तेरी कृपा से धरती धमी
दिया तूने जो हमको जनम
तू ही झेलोगा हम सबके गम
नेकी पर चलें ...

54

एक तू ही भरोसा

आ जा के सब मिलके रब से दुआ मांगे,
जीवन में सुकून चाहे, चाहत में वफ़ा मांगे,
हालात बदलने में अब देर ना हो मालिक,
जो दे चुके फिर यह अंधेर न हो मालिक ।

एक तू ही भरोसा, एक तू ही सहारा,
इस तेरे जहां में नहीं कोई हमारा,
ईश्वर या अल्लाह, ये पुकार सुन ले,
ईश्वर या अल्लाह है दाता ।

हमसे न देखा जाए बर्बादियों का रग्गा,
उजड़ी हुई बस्ती में गे तड़ग रहे इंसान,
नन्हे जिस्मों के टुकड़े लिए खड़ी है एक माँ,
बारूद के धुए में तू ही बोल जाए कहीं ।

नादां है हम तो मालिक, क्यों दी हमें यह सजा,
यहाँ है सभी के दिल में नफरत का ज़हर भरा,
इन्हे फिर से याद दिला दे सबक वोही प्यार का,
बन जाए गुलशन फिर से काँटो भरी दुनिया ।

55





तेरी है ज़मीन तेरा आसमान
तू बड़ा मेहरबान तू बक़्शीस कर
सभी का है तू, सभी तेरे
खुदा मेरे तू बक़्शीस कर

तेरी मर्ज़ी से ऐ मालिक हम
इस दुनिया में आये हैं
तेरी रहमत से हम सबने
ये जिस्म और जान पाए हैं
तू अपनी गज़र हम पर रखना
किस हाल में हैं ये खबर रखना

तू चाहे तो हमें रखे
तू चाहे तो हमें मारे
तेरे आगे झुकाके सर
खड़े हैं आज हम सारे
सबसे बड़ी ताकत वाले
तू चाहे तो हर आफत टाले

56

हमको मन की शक्ति देना

हमको मन की शक्ति देना,
मन विजय करे,
दूसरों की जय से पहले,
खुद को जय करे ।

भेदभाव अपने दिल से
साफ़ कर सके,
दोस्तों से भूल हो तो
माफ़ कर सके,
झूठ से बचे रहें
सच का दम भरें,
दूसरों की जय से पहले,
खुद को जय करे ।

मुश्किलें पढ़ें तो हम पे
इतना कर्म कर,
साथ दें तो धर्म का
चलें तो धर्म पर,
खुद पे हीसला रहे
बंदी से ना डरें,
दूसरों की जय से पहले,
खुद को जय करे ।

57





**ARMY PUBLIC SCHOOL
NARANGI**

Guwahati Assam
E-mail : apsnarangi@gmail.com
Mtl : 8322 5323
Mobile : 9127482007
Website : www.apsnarangi.com

2-3/232



DIARY 2023-24

Name: _____

Class: _____ Section: _____ Roll No. _____

House: _____

THIS DIARY IS TO BE BROUGHT TO SCHOOL DAILY

CONTENTS

	Page No.
1. National Pledge	3
2. Vision of APSN	4
3. Mission of APSN	4
4. ARMS&MYPAF	4
5. History of APSN	7
6. School Hours	7
7. Academics	8
8. Activities for the holistic development of a student	9
9. Vaccines	10
10. School Magazine	10
11. Parent Teacher Meeting	11
12. Rules for Library	11
13. School Rules	12-15
14. MCC Details	16
15. Admission and Transfer Procedure/Rules	18
16. Principles for Admission	17
17. Voluntary Service/Kavach	18-19
18. House System	20-22
19. Professional Colleges under APSS	23-24
20. Examination and promotion	25-26
21. Letter to Parents	27-29
22. School Uniform	30-32
23. Fee Structure	33-38
24. Manual for Online Payment of Fee	37
25. School Athlete/Players	38-37
26. Regularity Records	38-76
27. Parent Teacher Communication	77-82
28. Record of Detach	83-84
29. Syllabus for Examination & Examination Time Table	85-87
30. PROCLAM	88
31. Annual Calendar	89-104
32. Co-Curricular Activities	105-107
33. List of Holidays	108
34. Cluster Level Competition	109
35. Name of Subject Teachers	110-113
36. Inter House Sports Activities for Classes I-V	114
37. Special Class to be Celebrated	115
38. Calendar of Activities suggested by CBSE	116-228
39. Assignments and Lesson Record	224
40. Marks Record	225
41. PTM Record	226
42. Books I have read this session	227
43. School Health Card	227-229
44. Follow up	229
45. TC Form	230



NATIONAL PLEDGE

National Pledge of India

Inde in my country, All Indians are my brother and sisters.
I love my country, I am proud of its rich and varied heritage.
I shall always strive to be worthy of it.
I shall give my parents, teachers and all elders, respect,
and bend every power with courtesy.
To my country and my people, I pledge my devotion.
In true and fervent and prosperity alone, lies my happiness.

JAI HIND



